डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय,औरंगाबाद
महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र
सुस्वागतम्

महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र की स्थापण एवं आर्थिक सहयोग

महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र के संबंध में सन् २००६-२००७ में महत्मा गांधी अध्यासन केंद्र विश्वविद्यालय में स्थापना करने के संबंध में प्रस्ताव पारित किया। विश्वविद्यालय के आर्थिक सहयोग से यह अध्यासन केंद्र चलाया जाता है।

अध्यासन केंद्र के प्रमुख उद्देश्य : -

- महात्मा गांधी के विचारों एवं कार्यों का प्रचार प्रसार
- शिक्षा के आधार पर सामाजिक परिवर्तन
- शिक्षा और छात्र के संबंध में विचार
- उपेक्षित लोगों के लिए महात्मा गांधी ने जो कार्य किया है उसका प्रसार करना
- विश्वशांति के लिए अहिंसा का उपयोग

विश्व में महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र...

- आज पूरे विश्व में महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र दिखाई देते हैं।भारत के साथ महाराष्ट्र में अनेक जगहों पर महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र स्थापित किए हैं। पूरे विश्व में शांति और प्रगति के लिए गांधी विचारों की आवश्यकता है। इसलिए दुनिया में गांधी अध्यासन केंद्र स्थापित हो रहे हैं।

अध्यासन केंद्र महात्मा गांधी के विचारों एवं कार्यों को प्रचारित एवं प्रसारित करने के लिए निम्न घटकों में कार्यशील है।

- *सेमिनार, व्याख्यान एवं शिबिर।*
- *शोध आलेख प्रकाशन ।*
- *शोध हेतु मार्गदर्शन।*
- *विस्तार कार्य।*
- *प्रदर्शन।*

अध्यासन केंद्र में ग्रंथालय...

- अध्यासन केंद्र में देखने के लिए कुछ पुस्तकें रखी हैं।
- विश्वविद्यालय के मुख्य ग्रंथालय में गांधी विचारों की बहुत अधिक पुस्तकें हैं।
- अच्छी एवं उपयोगी पुस्तकें लेने के लिए केंद्र की ओर से ग्रंथालय प्रमुख को जानकारी दी जाती है।

महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र की ओर से सन् २००८-२००९आयोजित व्याख्यान, शिबिर आदि..

दि. २४-०१-२००९ को डॉ. मु.ब. शहा (धुलिया) के दो व्याख्यान आयोजित

विषय : - १. महात्मा गांधी और धर्म

२. महात्मा गांधी और मूल्य

महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र की ओर से सन् २००९-२०१० आयोजित व्याख्यान, शिबिर आदि..

- दि. १०-०९-२००९ को डॉ. विश्वास पाटील (श्हादा) का व्याख्यान
- विषय : - गांधी और युवाशक्ति
- दि. १०-०९-२००९ को शिविर आयोजित
- प्रमुख वक्ता - डॉ. विश्वास पाटील
- विषय : - रचनात्मक कार्य में युवक का सहयोग

महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र की ओर से सन् २००८-२००९ आयोजित व्याख्यान, शिबिर आदि..

- दि. ०२-१०-२००९ को प्रसिध्द सर्वोदयी विचारक डॉ. गंगाप्रसादजी अग्रवाल का व्याख्यान
- विषय : - महात्मा गांधी के विचारों की प्रसांगिकता
- दि. ०२-१०- २००९ को अनुभव कथन
- वक्ता :- डॉ. गंगाप्रसादजी अग्रवाल

महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र की ओर से सन् २०१०-२०११ आयोजित व्याख्यान, शिबिर आदि..

- दि.०२-१०-१० को डॉ. श्रीराम परिहार का व्याख्यान
- विषय : - वैश्विकता की दृष्टि से गांधी विचार

- दि. ३१-०३-२०११ को व्यक्तिमत्त्व विकास शिविर

- प्रमुख मार्गदर्शक :- डॉ. सुधीर गव्हाणे
  डॉ. राम चव्हाण
  डॉ. सुधाकर शेंडगे
  श्री. संजय शिंदे

अध्यासन केंद्र की उपलब्धियाँ...

- *महात्मा गांधी के विचारों एवं कार्यों को पसारित करने में यह अध्यासन केंद्र सफल रहा है।*
- *विद्यार्थियों के व्यक्तिमत्त्व विकास में इस केंद्र ने भूमिका निभाई है।*
- *यह केंद्र राष्ट्रप्रेम निर्माण करने में सहायक रहा है।*
- *साधा जीवन उच्य विचार मूल्य का प्रचार करने में सहायक रहा है।*
- *जीवन में सुख, शांति देने में यह केंद्र प्रयासरत है।*

प्रमुख व्यक्तियों व्दारा अध्यासन केंद्र को भेंट

- प्रो. पांडुरंग पाटील(कोल्हापुर)
- प्रो. रवि रंजन (हैदराबाद)
- प्रो. विठ्ठल भालेराव(पुणे)
- प्रो. सरजूप्रसाद मिश्र (नागपुर)
- प्राचार्य कृष्णा पोतदार (धुलिया)
- प्रो. शशि मुदिराज (हैदराबाद)
- डॉ. सूर्यनारायण रणसूभे (लातूर)
- डॉ. विष्णु सरवदे(मुंबई)
- डॉ. वीणा दाढे (नागपुर)
- डॉ. मधु खराटे (जलगांव)
- डॉ. सुधीर गव्हाणे (नाशिक)
- डॉ. रणजीत जाधव (लातूर)

महात्मा गांधी अध्यासन केंद्र की भविष्यगत योजनाएँ

- शोध, संगोष्ठी, शिविर एवं परीक्षाएँ
- बृहत शोध योजना के आंतर्गत हिंदी और मराठी साहित्य में गांधी विचारों के प्रभाव का अनुशीलन
- गांधी दर्शन पर शोध आलेख।
- गांधी विचारों को आधार बनाकर अंतर्राष्ट्रीय संगाष्ठी।
- अहिंसा के मूल्य को प्रसारित करना।
- व्यक्तिमत्त्व विकास से संबंधित शिबिर ।
- गांधी विचारों को आधार बनाकर परीक्षाएँ ।
- महत्मा गांधी की शिक्षा को आधार बनाकर उद्‌बोधन शिबिर।

अध्यासन केंद्र की मर्यादाएँ...

- केबिन, सेवक वर्ग एवं दृक-श्राव्य साधनों का अभाव।
- विश्वविद्यालय में अलग ग्रंथालय न होना।
- विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षाओं का आयोजन न होना।
- विश्वविद्यालय की ओर से शोध के लिए प्रोत्साहन देना।
- साक्षात्कार कार्यक्रमों की कमी।

धन्यवाद..